

2/5/25

पत्राक्षी ^{पत्राक्षी} पेश इरी ककील उभयपक्षकार उद्युपस्थित
तामी व उनके अधिकता दोनों में से
कोई उपस्थित नहीं आया। आवान लगर
गरी बार-बार लगर गई। कोई उपस्थित
नहीं आया। अतः पक्ष पक्षी रखी स्तर पर
अरुम धररी अरुम पेशी में रूपाव क्रिया
जाता है। पत्राक्षी नम्बर से कम होकर याविक
रुफतर है।



[Handwritten signature]